(घ) चयनित उम्मीदवारों को नियुक्ति दिये जाने में विलम्ब के क्या कारण हैं ; और

(ङ) भारतीय रिजर्व बैंक की दिल्ली शाखा में टंककों को लिपिकीय पदों में परिवर्तित किए जाने में विलम्ब के क्या कारण हैं और इन पदों को कब तक परिवर्तित कर दिया जायेगा ?

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री इसबीर सिंह) : (क) और (ख) भारतीय रिजर्व बैंक के केन्द्रीय कार्यालय ने सूचित किया है कि भारतीय रिजर्व बैंक, नई दिल्ली ने 1 अगस्त, 1989 को दो वर्ष को अनुमानित रिक्ति सहित टंककों के 30 रिक्त पदों को विज्ञापित किया था। लिखित परीक्षा, स्किल टेस्ट और साक्षात्कार के आधार पर सितम्बर, 1990 में 28 चुने हुए अभ्यर्थियों की प्रतीक्षा सूची तैयार की गई थी ?

(ग) अभी तक कोई नहीं।

(घ) भारतीय रिजर्व बैंक ने सूचित किया है कि नियुक्तियां प्रतीक्षा सूची में से की जाएगी बशर्ते कि, स्पष्ट रिक्तियां उपलब्ध हों।

(ङ) भारतीय रिजर्व बैंक ने कहा है कि परिवर्तन की अनुमति लिपिक/कायन-नोट परीक्षक ग्रेड II संवर्ग में स्पष्ट रिक्तियां उपलब्ध होने और समग्र कार्यभार आदि जैसे संबंधित घटकों के आधारों पर ही दी जा सकती है। जैसे ही नई दिल्ली के कार्यालय में लिपिक/कायन नोट परीक्षक, ग्रेड-II की स्पष्ट रिक्तियां होंगी, अहताप्राप्त टंककों को परिवर्तन की अनुमति दी जाएगी। तथापि, इस समय कोई समय सीमा नहीं दी जा सकती है।

देश में मुद्रा का प्रसार

1804. **श्री रामजेठमलानी :**
श्री रणजीत सिंह :

क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि पिछले कुछ वर्षों से देश में मुद्रा के प्रसार में निरंतर वृद्धि हो रही है ;

(ख) यदि हां, तो वर्ष 1980-81, 1985-86 और 1990-91 की समाप्ति पर देश में कुल कितनी मुद्रा प्रचलन में थी ; और

(ग) किन कारणों से देश में मुद्रा प्रसार में निरंतर ऐसी वृद्धि करना आवश्यक हो गया है ?

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री इसबीर सिंह) : (क) जी, हां।

(ख) सूचना नीचे दी गई है :—

परिचालन में मुद्रा (31 मार्च की स्थिति के अनुसार)	करोड़ रुपये
1980-81	14,307
1985-86	26,525
1990-91	55,268

(ग) आय वृद्धि तथा मुद्रास्फीति सामान्यतः मांग को प्रभावित करने वाले दो महत्वपूर्ण अवयव हैं। इन सामान्य कारकों के अतिरिक्त तीसरे क्षेत्रों से उत्पन्न आय में हुई तीव्र वृद्धि, जनता को अधिक मुद्रा रखने के लिए प्राथमिकता देने वाली प्रवृत्ति को बढ़ावा दे सकती है।

Reserve Bank of India Relaxation on Import proposals

1805. SHRI SYED SIBTEY, RAZI: Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) whether Reserve Bank of India has further relaxed cut-off limits for clearance of import proposals;

(b) if so, give details thereof with background for such steps;

(c) whether such relaxation is applicable on all items of import; and